## बिहार स्पेशल

### आनंद कुमार कोरिया पर्यटन संगठन के मानद राजदूत नियुक्त

**चर्चा में क्यों?**

- कोरिया पर्यटन संगठन (KTO) ने सुपर 30 के संस्थापक आनंद कुमार को वर्ष 2024 के लिए अपना मानद राजदूत नियुक्त किया है।

## राजव्यवस्था एवं शासन

### एससी/एसटी आरक्षण के उप-वर्गीकरण पर सुप्रीम कोर्ट का ऐतिहासिक फैसला

**चर्चा में क्यों:**

- हाल ही में सुप्रीम कोर्ट ने फैसला सुनाया कि आरक्षण अनुसूचित जाति (एससी) और अनुसूचित जनजाति (एसटी) की उप-श्रेणियों के भीतर किया जा सकता है।
- 6:1 के बहुमत वाले इस निर्णय ने वर्ष 2004 के पांच न्यायाधीशों की पीठ के निर्णय को पलट दिया जिसने उप-वर्गीकरण पर रोक लगा दी थी।

**पृष्ठभूमि:**

- 2006 में पंजाब ने एक कानून पारित किया था, जिसके तहत अनुसूचित जाति की आधी आरक्षित सीटों पर दो जातियों को प्राथमिकता दी गई थी।
- इससे पहले, ऐसे आरक्षण के लिए पूरे अनुसूचित जाति वर्ग को शामिल करने की आवश्यकता होती थी।

**राज्य सरकारों के लिए नए दिशानिर्देश:**

- राज्य अनुसूचित जाति के भीतर किसी एक उपजाति को 100% आरक्षण आवंटित नहीं कर सकते।
- राज्यों को प्रतिनिधित्व के अनुभवजन्य आंकड़ों के आधार पर उप-वर्गीकरण करना चाहिए।

**निर्णय के पीछे तर्क:**

- उन शिकायतों को संबोधित करते हुए कि एससी/एसटी आरक्षण के लाभों पर कुछ उप-जातियों का एकाधिकार हो रहा है, जिससे अन्य लोग वंचित रह जा रहे हैं।
- न्यायालय का लक्ष्य सभी उप-जातियों के बीच आरक्षण लाभ का समान वितरण सुनिश्चित करना है।

**निर्णय का प्रभाव:**

- राज्य अब एससी आरक्षण के भीतर उप-श्रेणियाँ प्रदान कर सकते हैं, यह सुनिश्चित करते हुए कि हाशिये पर पड़ी उप-जातियों को भी लाभ मिले।
- उदाहरण: 2006 में, पंजाब ने एससी आरक्षण के भीतर वाल्मिकियों और मजहबी सिखों को प्राथमिकता दी।

**न्यायाधीशों के पक्ष में बयान:**

- **मुख्य न्यायाधीश डी.वाई. चंद्रचूड़:** उप-वर्गीकरण अनुच्छेद 14 का उल्लंघन नहीं करता है, क्योंकि यह सुनिश्चित करता है कि कोई भी उप-जाति बाहर न हो।
- **न्यायमूर्ति बी.आर. गवई:** कुछ उप-जातियों द्वारा सामना किए गए ऐतिहासिक भेदभाव को स्वीकार करते हुए, उप-वर्गीकरण डेटा-आधारित होना चाहिए।

- **न्यायमूर्ति गवई का जोर**: अनुसूचित जाति के भीतर भेदभाव की जमीनी हकीकत और इन असमानताओं को दूर करने के लिए उप-वर्गीकरण की आवश्यकता है।
- **न्यायमूर्ति शर्मा**: आरक्षण लाभों का उचित वितरण सुनिश्चित करने के लिए एससी/एसटी के भीतर मलाईदार(क्रिमिलेयर)परतों की पहचान करने की आवश्यकता का समर्थन करता है।

**असहमति** :

- **न्यायमूर्ति बेला एम. त्रिवेदी**: तर्क दिया गया कि उप-वर्गीकरण अनुच्छेद 341 के तहत राष्ट्रपति की अधिसूचना में हस्तक्षेप करता है, जो एससी को एक समरूप समूह के रूप में परिभाषित करता है।
- माना गया कि उप-वर्गीकरण एससी वर्ग की एकता को कमजोर करेगा और संवैधानिक ढांचे का उल्लंघन करेगा।

**निर्णय के मुख्य बिंदु**:

- एससी/एसटी आरक्षण के उप-वर्गीकरण की अनुमति है।
- राज्य किसी एक उपजाति को 100% आरक्षण नहीं दे सकते।
- प्रतिनिधित्व पर अनुभवजन्य डेटा के साथ उप-वर्गीकरण को उचित ठहराया जाना चाहिए।
- इसका उद्देश्य सभी उप-जातियों के बीच आरक्षण लाभ का समान वितरण सुनिश्चित करना है।

## चर्चित योजनाएं

### 'गोएम विनमूल्य विज येवजन' योजना

**चर्चा में क्यों?**

गोवा ने 'गोएम विनामूल्य विज येवजन' योजना शुरू की है, जिसे सौर छत प्रतिष्ठानों को बढ़ाने के लिए डिज़ाइन किया गया है।

- इस पहल का उद्देश्य प्रधानमंत्री की सूर्य घर मुफ़्त योजना के अनुरूप, गोवा में आवासीय परिवारों को अपनी बिजली उत्पन्न करने के लिए सशक्त बनाना है।

## चर्चित स्थल

### 2024 के विश्व के महानतम स्थल

**चर्चा में क्यों?**

टाइम पत्रिका के '2024 के विश्व के महानतम स्थानों' में तीन भारतीय गंतव्य शामिल हैं:

- हैदराबाद में मनम चॉकलेट,
- हिमाचल प्रदेश में नार रेस्तरां
- म्यूज़ियम ऑफ़ सॉल्यूशंस (म्यूसो), मुंबई में बच्चों का एक अनोखा संग्रहालय।

## खेल

### स्वप्निल कुसाले ने पेरिस ओलंपिक 2024 में भारत के लिए तीसरा कांस्य पदक जीता

**चर्चा में क्यों?**

स्वप्निल कुसाले ने 1 अगस्त, 2024 को पेरिस ओलंपिक 2024 में पुरुषों की 50 मीटर राइफल थ्री पोजीशन स्पर्धा में कांस्य पदक जीता।

- ❖ महिलाओं की 10 मीटर एयर पिस्टल में मनु भाकर और मिश्रित 10 मीटर एयर पिस्टल में मनु भाकर-सरबजोत सिंह की जोड़ी की उपलब्धियों के बाद, इस जीत ने इन ओलंपिक में भारत का तीसरा कांस्य पदक जीता।

## सूचकांक एवं रिपोर्ट

### भारत में भुखमरी की व्यापकता में गिरावट

**चर्चा में क्यों?**

- ❖ संयुक्त राष्ट्र एजेंसियों के लिए डेटा पहुंच में सुधार के कारण, भारत में भूख की व्यापकता 16.6% (2020-22) से घटकर 2023 में 13.7% हो गई।

**संशोधित रिपोर्ट**

- ❖ **39.3 मिलियन लोग**: एक साल में भुखमरी से मुक्ति।
- ❖ **भूख की व्यापकता**: 233.9 मिलियन (2020-22) से गिरकर 194.6 मिलियन (2021-23) हो गया।
- ❖ **प्रभाव**: 2030 तक शून्य भुखमरी का लक्ष्य अधिक प्राप्त करने योग्य है।

**सरकार और एजेंसी के प्रयास**

- ❖ खाद्य सुरक्षा और पोषण राज्य (एसओएफआई) के डेटा महत्वपूर्ण सुधार का संकेत देते हैं।
- ❖ प्रयासों में बेहतर डेटा उपलब्धता और सरकारी पहल शामिल हैं।

**सरकारी पहल**

- ❖ मुफ्त राशन योजनाओं के तहत मासिक 5 किलो अतिरिक्त चावल या गेहूं प्रदान किया गया।
- ❖ राष्ट्रीय खाद्य सुरक्षा अधिनियम के तहत सब्सिडी वाला खाद्यान्न।

**वैश्विक और स्थानीय सहयोग**

- ❖ एफएओ, आईएफएडी, डब्ल्यूएफपी और यूनिसेफ के सहयोग से प्रगति में सहायता मिली।

**भविष्य के लक्ष्य**

- ❖ निरंतर उपायों के साथ 2030 तक भूख से मुक्ति पाना संभव है।

## निधन

### अंशुमन गायकवाड़

**चर्चा में क्यों?**

भारत के पूर्व बल्लेबाज और राष्ट्रीय मुख्य कोच अंशुमान गायकवाड़ का रक्त कैंसर से लंबी लड़ाई के बाद 71 वर्ष की आयु में निधन हो गया है।

**क्रिकेट कैरियर**

- ❖ **अंतर्राष्ट्रीय कैरियर:**
  - ➢ **टेस्ट मैच:** 40 मैच खेले
  - ➢ **वनडे:** 15 मैच खेले
  - ➢ **प्रथम श्रेणी मैच:** 205 फर्स्ट क्लास मैच खेले
  - ➢ **कैरियर अवधि:** 22 साल का

**कोचिंग कैरियर**

- ❖ **भारतीय टीम के कोच:**
  - ➢ **2000 आईसीसी चैंपियंस ट्रॉफी:** टीम उपविजेता रही

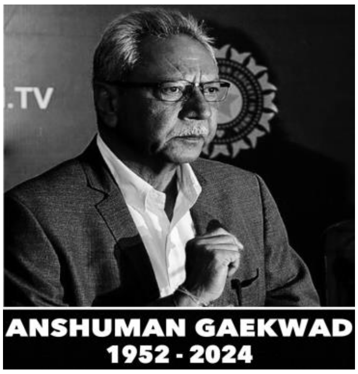


❍❍❍❍

PW Web/App: https://smart.link/7wwosivoicgd4
For more such content, subscribe to our Telegram Channelhttps://t.me/pw_upsc

PSC WALLAH